Publication	The Times of India	Language	English
Edition	Mumbai	Journalist	TNN
Date	01/07/2024	Page no	10
CCM	36.13		

Shah calls for 'cooperation among cooperative banks'

Shah calls for 'cooperation among cooperative banks'

Times News Network

New Delhi: Home and cooperation minister Amit Shah on Sunday appealed to people associated with cooperative institutions to open their bank accounts in District Cooperative Banks (DCBs) to help cooperative sector become viable.

He said if mantra of "cooperation among cooperatives" is successful, then cooperative institutions would not need to take help from anyone. "There is no need to take even a single rupee from central or state govt. The entire cooperative movement can run strongly with the money of cooperative institutions," he said.

Shah was addressing the 76th AGM of Kheda District Central Cooperative Bank Limited, Nadiad, through video conferencing.

IANS

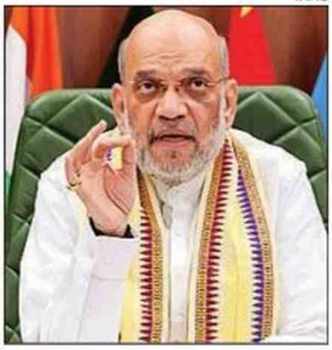

Amit Shah on Sunday addressed the 76th AGM of Kheda District Central Cooperative Bank Ltd, Nadiad, via video-conferencing

The bank has introduced loan management, document management system and tablet banking for the first time in cooperative banking system of Gujarat, which is considered a landmark achievement. Nadiad is in Kheda district from where Amul was started.

Referring to this successful model of cooperatives, Shah said Amul set an example of achieving "Sahkar se Samriddhi" (prosperity through cooperation) in front of the entire country and the world.

The minister said since its inauguration in 1950, Kheda District Cooperative Bank has served farmers of the region well and today it is in net profit of about Rs 31 crore. There were times when there were apprehensions about its future, but after getting the license in 2012, it now has a reserve fund of Rs 258 crore and deposits of Rs 2,500 crore.

Shah also expressed the need for involving DCBs for strengthening Primary Agricultural Credit Societies (PACS), saying the stronger PACS will further strengthen the cooperative banks.

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/07/2024	Page no	10
CCM	32.24		

' There is a need to further strengthen the economic structure of the cooperative sector: Shah

सहकारिता क्षेत्र के आर्थिक ढांचे को और मजबूत करने की जरूरत : शाह

कहा-सहकारी संस्थाओं से जुड़े लोग जिला सहकारी बैंक में खोलें खाता

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर सहकारिता से समृद्धि के मंत्र को सिद्ध कर लिया जाए तो भारत को सहकारी क्षेत्र में किसी से भी मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने सहकारिता क्षेत्र के आर्थिक ढांचे को और सुदृढ़ करने की जरूरत बताई। साथ ही अपील की कि सहकारी संस्थाओं से जुड़े लोग अपने बैंक खाते जिला सहकारी बैंक में खोलें।

बैठक को संबोधित करते अमित शाह।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने यह बात रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गुजरात के नाडियाड में खेड़ा जिला केंद्रीय सहकारी (केडीसीसी) बैंक लि. की वार्षिक आम बैठक में हिस्सा लेने के दौरान कही। उन्होंने 18.70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बैंक के नए भवन सरदार पटेल सहकार भवन का उद्घाटन भी किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं के संसाधनों से ही सहकारिता आंदोलन फल-फूल सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 20 अलग-अलग पहल के जरिये प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को मजबूत करना शुरू कर दिया है। जिला सहकारी बैंकों को भी इस काम में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत पीएसीएस सहकारी बैंकों को और मजबूत बनाएंगे। ब्यूरो

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/07/2024	Page no	7
CCM	26.80		

PACS will enrich cooperative banks

सहकारी बैंकों को समृद्ध करेगा पैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सहकारी आंदोलन केवल सहकारी संस्थानों के संसाधनों से ही फल-फूल सकता है। जिला सहकारी बैंकों के महत्व को पहचानते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को मजबूत करने में भी योगदान देना चाहिए। केंद्र सरकार ने 20 अलग-अलग पहल करके पैक्स को मजबूत करना शुरू किया है और जिला सहकारी बैंकों को भी इस काम में आगे आना चाहिए। मजबूत पैक्स सहकारी बैंकों को और मजबूत करेगा।

शाह ने यह बात खेड़ा जिला केंद्रीय सहकारी (केडीसीसी) बैंक लिमिटेड की 76वीं वार्षिक आम बैठक का नडियाद (गुजरात) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने सहकार से समृद्धि या सहयोग पहल के माध्यम से समृद्धि के तहत किए गए प्रयासों की सराहना की। सहकारिता मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, शाह ने 18.70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बैंक की नई इमारत (सरदार पटेल सहकार भवन) का उद्घाटन किया। सहकार से समृद्धि योजना का लक्ष्य भारत में आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सहकारी समितियों की क्षमता को अधिकतम करना है। सहकारिता मंत्रालय इस पहल का प्रभारी है।

सहकारी बैंकों में अपने खाते खोलें : शाह

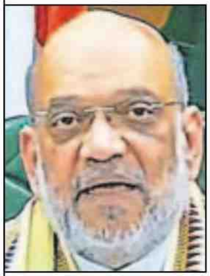

अमित शाह ने कहा कि अमूल ने देश-दुनिया के सामने सहकार से समृद्धि हासिल करने का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि खेड़ा वही जिला है, जहां से देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के सफल मार्गदर्शन में अमूल की शुरुआत हुई थी। शाह ने सहकारी संस्थाओं से जुड़े लोगों से जिला सहकारी बैंकों में अपने बैंक खाते खोलने की अपील की, ताकि सहकारी क्षेत्र में एक मजबूत आर्थिक संरचना का निर्माण किया जा सके।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Jansatta	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/07/2024	Page no	11
CCM	43.77		

Help in strengthening agricultural credit societies

सहकारी बैंकों से अमित शाह ने की अपील

कृषि ऋण समितियों की मजबूती में सहयोग दें

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 30 जून।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि जिला सहकारी बैंकों को प्राथमिक कृषि त्रण समितियों (पीएसीएस) को मजबूत करने की दिशा में भी सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 20 अलग-अलग पहल करके प्राथमिक कृषि त्रण समितियों को मजबूत करने का काम शुरू किया है और जिला सहकारी बैंकों को भी इस काम में आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक कृषि त्रण समितियां जितनी मजबूत होंगी, उतने ही सहकारी बैंक मजबूत होंगे। अमित शाह ने सहकारी संस्थाओं से जुड़े लोगों से अपने बैंक खाते जिला सहकारी बैंक में खोलने की अपील की, ताकि सहकारिता क्षेत्र में सुदृढ़ आर्थिक ढांचे का निर्माण किया जा सके।

कहा भारत सरकार ने पहल करके प्राथमिक कृषि त्रण समितियों को मजबूत करने का काम शुरू किया है।

नई योजना को प्रभावी तौर पर लागू कर दिया जाए, तो भारत को सहकारी क्षेत्र में कहीं किसी से भी मदद लेने की जरूरत नहीं है। भारत या राज्य सरकार से भी एक रुपया लेने की जरूरत नहीं है।

शाह ने कहा कि सिर्फ का-ओपरेटिव संस्थाओं के पैसे से ही समग्र का-आपरेटिव मजबूती से चल सकती हैं। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग से गुजरात के खेडा जिला मध्यस्थ सहकारी बैंक लिमिटेड, नडियाद की 76वीं वार्षिक बैठक को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में अमित शाह ने 18.70 करोड़ रुपए की लागत से बने बैंक के नए भवन (सरदार पटेल सहकार भवन) का लोकार्पण किया।

उन्होंने कहा कि अमूल ने पूरे देश और विश्व के सामने सहकारिता से समृद्धि प्राप्त करने का उदाहरण पेश किया है। कुछ समय पहले तक खेडा जिला सहकारी बैंक बंद होने की चर्चा हो रही थी, लेकिन आज इस बैंक ने 36,000 वर्ग फुट का अपना भवन बनाया है और सभी ई-बैंकिंग नियमों की कल्पनाओं को साकार किया है। यह शुरुआत आने वाले दिनों में सहकारिता क्षेत्र को कम से कम 100 साल की आयु देने में अहम भूमिका निभाएगी।

****

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from
SAMVAD